एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

01994

सत्रांत परीक्षा

जून, 2009

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*** *सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. 'गोदान' की कथा-योजना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

'धरती धन न अपना' में चित्रित दलित जीवन पर प्रकाश डालिए।

2. 'मैला आँचल' की आंचलिक पहचान के प्रमुख बिंदुओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

'सूखा बरगद' के संदर्भ में अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षा की भावना के कारणों पर विचार कीजिए।

3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में नारी चेतना की अभिव्यक्ति की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

'ठाकुर का कुआँ' में व्यंजित सामाजिक यथार्थ का उद्घाटन कीजिए।

4. 'एक दिन का मेहमान' कहानी की समीक्षा कीजिए। 20

अथवा

'यह अंत नहीं' में अभिव्यक्त पुलिस और पंचायती राज के जातिवादी चरित्र पर विचार कीजिए।

5. 'सिक्का बदल गया' विभाजन की त्रासदी का दस्तावेज़ है। चर्चा कीजिए। 20

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10=20

(a) 'गोदान' की धनिया

(b) 'तिरिछ' और 'पिता' कहानी के पिता

(c) 'रोज़' कहानी का शिल्प

(d) 'भोलाराम का जीव' में व्यंग्य का स्वरूप

- o O o -